Khudiram Bose Central College

Department of Hindi

Present Status of Syllabus

*** Text in red colour and tick (√) - Completed**

***Text in Black Colour - Not Completed**

Semester	Paper	Present Status of Syllabus
2nd Semester (Hons)	CC3	विद्यापति निम्नलिखित 06 पद सखि है हमर दुखक नहिं ओर, मधुपुर, मोहन गेल रे, मोर बिहरत छाती, चानन भेल विषम सर रे, भूषन भेल भारी, अनुखन माधव माधव सुमरइतेमधाई सुंदरि भेलि , सरस बसंत समय भाल पाओलदछिन पबन बहु, धीरे, मोरा रे आँगना चानन केरि गछिआताहि चठि कुररए काग रे। कबीर निम्नलिखित 06 पद और 10 साखी पद : संतो भाई आई ग्यान की आँधी रे, पानी बिच मिन पियासी, मन न रंगाए रंगाए जोगी कापरा, अरे इन दोहुन राह न पाई, एक अचंभा देखा रे भाई ठाढ़ा सिंह चरावे गाई, गगन घाटा घहरानी स्सधौं गगन घटा घहरानी। साखी : सतगुरु की महिमा अनंत, बिरहा मति कहा, आंखड़िया झाई परी, माला तो कर में फिरै, जाप मरै अजपा मरै, तूँतूँ करता तू भया, हम घर जाला आपना, कस्तुरी कुंडलि बसै, सुखिया सब संसार है, कबीर यहु घर प्रेम का। जायसी पद्मावत (मानसरोदक खंड) सूरदास निम्नलिखित 12 पद अविगत गति कछु कहत न आवै, जौ लौं मन कामना न छूटे, जसोदा हरि पालनै झुलावै, किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत, खेलत में काकौ गुसैयों, मैया हाँ न चरैहों गाई, बूझत स्याम कौन तू गोरी, बिनु गुपाल बैरनि भई कुंज, ऊधौ धनि तुम्हारौं व्यवहार, ए अलि ! कहाँ जोग में नीको, आयो घोष बड़ो व्यापारी, उर में माखन चार गड़ै। तुलसीदास निम्नलिखित 08 पद ऐसी मूढ़ता या मन की, जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे, अबलौं नसानी अब न नसैहों, माधव माँ समान जग माही, ऐसो को उदार जग माहीं, रघुपति भगति करत कठिनाई, कबहुँक हौं यह रहनि रहौंगो, जाके प्रिय न राम बैदेही। रहीम अंजन दियो तो किरकिरी, कहा करौं बैकुंठ लै, खरच बढ्यो उद्यम घट्यो, छिमा बड़न को चाहिए, तरुवर फल नहिं खात है, दादर, मोर, किसान मन, दीन सबने को लखत है, दीरघ दोहा अरथ के, धरती की सौ रीत है, पावर देखि रहीम मन, प्रेम पथ ऐसो कठिन, बड़े बड़ाई ना करै, यो रहिम तन हाट में, रहिमन देखि बड़ेन को, रहिमन

		धागा प्रेम का, रहिमन निज मन की बिथा, रहिमन पर उपकार के, रहिमन पानी राखिये, रहिमन पैड़ प्रेम को, रहिमन यह संसार में, रहिमन यों सुख होता है, रहिमन विद्या बुद्धि नहिं, कदली, सीप, भुजंग मुख, रहिमन विपदा हूँ भली। मीराबाई निम्नलिखित 08 पद यहि विधि भगति कैसे होय, मैं तो साँवरे रंग राँची, मैं तो गिरधर के घर जाऊँ, हेरी मैं तो दरद दिवाणी दरद न जाने कोय, कोई कहियो रे प्रभु आवन की, किण संग खेलूँ होली, म्हारो जणमरानौं-जणम को साथी थाने दिन बिसरूँ दिन, पग घुँघरू बांधी मीरा नाची रे। बिहारी निम्नलिखित 20 दोहे अजाँ तरौना ही रहयौ, अरुनचरन कर-सरोरूह, इन दुखिया अँखियन को, कर समेटि कच, भुज उलटि, करौ कुबत जगकुटिलता, या अनुरागी चित की, जप माला छापा तिलक, नहिं पराग नहिं मधुर मधु, कहत नटत रीझत खिझत, बतरस लालच लाल की, अनियारे दीरघ दृगनि, तो पर वारौं उरवसी, जब जब मैं सुधि कीजियै, को छूट्यौं इहि जाल, चटक न छाड़त घटत हूँ, जो चाहै चटक न छटे, आँधाई सीसी सुलखि, दृग उरझत टूटत कुटुंब, लिखन बैठिन जाकी सबौ, जिन दिन देखे वे कुसुम। घनानंद निम्नलिखित 07 पद झलकै अति सुंदर कानन गौर, भए अति निठुर मिटाय पहचानि डारी, हीन भए जल मीन अधीन, मौत सुजान अनीत करौ जिन, प्रीतम सुजान मेरे हित के निधान कहौ, रावरे रूप की रीति अनूप, अति सूधो सनेह को भरग है। रसखान निम्नलिखित 06 सवैये मानसु हों तो वही रसखान, मोर पखा मुरली संभाल, फागुन लाग्यो सखि जब तै, कंचन मंदिर ऊँचे बनाई के, सोहट है चंदवा सिर मोर को, कान्ह भए बस बांसुरी के।
	CC4	भारतेंदु नए जमाने की मुकरियाँ (1 से 14 तक) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध एक तिनका, कर्मवीर, सरिता, खद्योत, फूल और काँटा मैथिलीशरण गुप्त यशोधरा (महाभिनिष्क्रमण) रामनरेश त्रिपाठी अन्वेषण जयशंकर प्रसाद हिमाद्रि तुंग शृंग से, अरुण यह मधुमय देश हमारा, तुम कनक किरण के अंतराल में, उठ-उठ री लघु-लघु लोल

		लहर, मधुप गुनगुनाकर कह जाता, ले चल वहाँ भुलावा देकर, पेशोला की प्रतिध्वनि। सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' संध्या सुंदरी, तुम और मैं, अधिवास, जागो फिर एक बार 2, गहन है यह अंधकार, स्नेह निर्झर बह गया है, ध्वनि, दगा की, चर्खा चला, मास्को डायलाग्स। सुमित्रानंदन पंत प्रथम रश्मि, बादल, मौन निमंत्रण, ताज, भारतमाता, गा कोकिल बरसा पावक कण, मैं नहीं चाहता चिर सुख, धूप का टुकड़ा, संध्या। महादेवी वर्मा धीरे-धीरे उतर क्षितिज से, विरह का जलजात जीवन, क्या पूजन क्या अर्चन रे? मैं नीर भरी दु:ख की बदली, चिर सजग आँखें उनींदी, पंथ रहने दो अपरिचित, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो।
2nd Semester (G)	**CC2**	कबीर, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई, रसखान, बिहारी
4th Semester (Hons)	**CC8**	● भाषा- परिभाषा, विशेषताएं, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली। ● भाषा विज्ञान- परिभाषा, अंग, भाषा-विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध। ● स्वनिम विज्ञान- परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियां, स्वनों का वर्गीकरण-स्थान और प्रत्यन के आधा पर। स्वन परिवर्तन के कारण। ● रूपिम विज्ञान- शब्द और रूप(पद), पद-विभाग-नाम,आख्यात, उपसर्ग और निपात। ● वाक्य विज्ञान- वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण। ● अर्थ विज्ञान- शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं। ● अपभ्रंश,राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएं। ● राष्ट्रभाषा,राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी। ●देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं सुधार के प्रयास।
	CC9	गबन -- प्रेमचंद त्यागपत्र -- जैनेन्द्र कुमार मृगनयनी -- वृंदावन लाल वर्मा मानस का हंस -- अमृतलाल नागर महाभोज -- मन्नू भंडारी
	CC10	• उसने कहा था-चंद्रधर शर्मा गुलेरी

		• पूस की रात-प्रेमचंद • आकाशदीप-जयशंकर प्रसाद • हार की जीत-सुदर्शन • पाजेब-जैनेंद्र कुमार • तीसरी कसम-फणीश्वरनाथ रेणू • मिस पाल-मोहन राकेश • परिंदे-निर्मल वर्मा • दोपहर का भोजन- अमरकांत • सिक्का बदल गया-कृष्णा सोबती • पिता-ज्ञानरंजन
4th Semester (G)	**CC4**	त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार नमक का दरोगा - प्रेमचंद आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद परदा - यशपाल वापसी - उषा प्रियंवदा लोभ और प्रीति - रामचंद्र शुक्ल कुटज - हजारी प्रसाद द्विवेदी
	LCC2/MIL	**1. हिंदीव्याकरणऔरसम्प्रेषण** • हिंदीव्याकरण एवंरचना—संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं • अव्यय कापरिचय ।उपसर्ग, प्रत्यय तथासमास ।पर्यायवाची शब्द, • विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य • शुद्धि, मुहावरेऔरलोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण • संप्रेषण की अवधारणाऔरमहत्त्व • संप्रेषण के प्रकार • संप्रेषण के माध्यम • संप्रेषण की तकनीक • अध्ययन, वाचन एवंचर्चा : प्रक्रिया एवंबोध • साक्षात्कार, भाषणकला एवंरचनात्मकलेखन
4th Semester	**SEC**	**4. दृश्य—श्रव्य माध्यम लेखन** • माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में भाषा—प्रयोग : लेखन, सम्पादन और प्रसारण का संदर्भ। रेडियो, टेलीविज़न, सिनेमा एवं वीडियो का व्याकरण एवं भाषिक वैशिष्ट्य।

		• भाषा–प्रयोग : परिचय, संगीत, संलाप एवं एकालाप, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कथन, सहप्रयोग। श्रव्य–माध्यम और भाषा की प्रकृति, तान–अनुतान की समस्या, ध्वनि प्रभाव और निःशब्दता, मानक उच्चारण, समाचार पठन, भाषा का वैयक्तिकरण। • दृश्य–श्रव्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, आंगिक और वाचिक अभिव्यक्ति, दृश्य भाषा, दृश्य और श्रव्य सामग्री का सामंजस्य तथा भाषिक संयोजन, सिनेमाई भाषा और संवाद की अदायगी। • रेडियो–लेखन : रेडियो पत्रिका, फीचर, वार्ता, साक्षात्कार और परिचर्चा, समाचार लेखन, रेडियो नाटक और रूपक के लिए संवाद लेखन, रेडियो विज्ञापन। एफ.एमबैण ड पर प्रसारणार्थ शैक्षिक–सामग्री का सृजन। • टेलीविजन–लेखन : समाचार, धारावाहिक, चर्चा–परिचर्चा, साक्षात्कार और सीधे प्रसारण की भाषिक संरचना और प्रस्तुति। • सिनेमा : 'सुजाता', 'शतरंज के खिलाड़ी' जैसी फिल्मों के बहाने हिन्दी सिनेमा की संवेदना और भाषा पर विचार। फिल्म–समीक्षा लेखन।